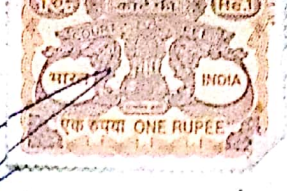




2017/50030



32/2017

न्यायालय अतिरिक्त संभागीय आयुक्त महोदय, जयपुर।

रामजीलाल उम्र लगभग 70 वर्ष पुत्र रामरतन मीना, जाति-मीना, निवासी ग्राम चांदेरा, तहसील-सिकराय, जिला दौसा।

Reader श्री इस्तीम दुर्गा सिद्धा सिद्धा वसावत कारा मन्त 21/7/2017

बनाम

1. हरसहाय पुत्र धन्ना उम्र लगभग 70 वर्ष
  2. छोटा पुत्र धन्ना उम्र लगभग 60 वर्ष
  3. घमसी पुत्र धन्ना उम्र लगभग 50 वर्ष
  4. हनुमान सहाय पुत्र रामधन उम्र लगभग 55 वर्ष
- समस्त जाति मीना निवासी ग्राम चांदेरा तहसील सिकराय जिला दौसा।
5. राजस्थान सरकार जरिये तहसीलदार तहसील सिकराय जिला दौसा।

प्रथम अपील अन्तर्गत धारा 75 राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम विरुद्ध आदेश न्यायालय उप-खण्ड अधिकारी सिकराय, जिला दौसा। वअनुवानी प्रकरण हरसहाय बनाम राजस्थान सरकार, मुकदमा संख्या 14/2017। निष्पत्ति दिनांक 01.06.17.

महोदय,

संक्षिप्त तथ्य अपील निम्नांकित सेवार्पित है।

यह कि रेस्पोंडेन्ट संख्या 1 लगायत 4 / प्रार्थीगण ने एक प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 128 राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम का अधिनस्थ न्यायालय उप-खण्ड अधिकारी सिकराय के समक्ष इस आशय का पेश किया कि खाता संख्या नया 215 पुराना 193 के खसरा नम्बर 308 रकबा 0.25 है0, खसरा नम्बर 309 रकबा 0.37 है0, खसरा नम्बर 312 रकबा 0.28 है0, खसरा नम्बर 339 रकबा 0.25 है0, खसरा नम्बर 511 रकबा 0.05 है0, खसरा नम्बर 564 रकबा 0.39 है0, खसरा नम्बर 565 रकबा 0.65 है0, खसरा नम्बर 662 रकबा 0.14 है0 खसरा नम्बर 663 रकबा 0.34 है0, कुल किता 9 कुल रकबा 2.72 हैक्टेयर वाके रामा चांदेरा तहसील सिकराय जिला दौसा में स्थित है, जिसकी खातेदारी राजस्व रिकॉर्ड जमावदी में प्रार्थीगण के नाम से दर्ज है, प्रार्थीगण इस भूमि पर बहैसियत खातेदार काबिज होकर काश्त करते आ रहे है। प्रार्थीगण की उपरोक्त आराजी पर पड़ोसी खातेदार जोरजबरदस्ती लाठी व डण्डे के बल पर कब्जा करना चाहते है तथा भूमि को लाठी के बल पर हड़पना चाहते है। जिसके कारण प्रार्थीगण को उसके पड़ोसी खातेदारों से भूमि सम्बन्धित विवाद बना रहता है। प्रार्थीगण द्वारा उक्त भूमि मे से कुछ भूमि का सीमाज्ञान दिनांक 30.06.2016 को श्रीमान् तहसीलदार जी सिकराय द्वारा करवा दिया गया है। इस सीमाज्ञान को पड़ोसी खातेदार मानने को तैयार नहीं है, इस कारण प्रार्थीगण एवं पड़ोसी खातेदार के मध्य में फौजदारी मुकदमे भी दर्ज हो सकते है तथा लखड़इ झगडे का पूरा-पूरा अंदेशा बना रहता है। इसलिये

कल लाम

नि:रामजीलाल